सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

भाग अ – परिचय			
कार्यक्रम: सर्टिफिकेट	कक्षा : बी. ए	वर्ष:: प्रथम वर्ष	सत्र: 2025 -2026

विषय:हिन्दी साहित्य

1	पाठ्यक्रम का कोड	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	**आधुनिक हिंदी काव्य**
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	केन्द्रिक पाठ्यक्रम (कोर कोर्स) तृतीय प्रश्न पत्र
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के लिए विद्यार्थी ने हिन्दी विषय के साथ 12th पाठ्यक्रम पूर्ण किया हो , पात्र है ।
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से भारतीय ज्ञान परंपरा एवं संस्कृति से विज्ञ होंगे । 2. विद्यार्थी भारतीय जीवन मूल्यों को समझने एवं आत्म निर्भर बनने में सक्षम होंगे । 3. भारतीय नैतिक मूल्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं चरित्र निर्माण में सहायक होंगे जो भारतीय समाज एवं सशक्त राष्ट्र निर्माण का आधार है । 4. साहित्य सृजन , शैक्षणिक क्षेत्र , अन्य कलात्मक क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे ।
6	क्रेडिट मान	06
7	कुल अंक 100	अधिकतम अंक: 30+70 ; न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या (90) -ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): व्याख्यान प्रति सप्ताह 4 घंटे

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
इकाई-1	**भारतीय ज्ञान परंपरा एवं आधुनिक हिंदी काव्य** • आधुनिक काल : सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि • भारतीय ज्ञान परंपरा एवं आधुनिक हिन्दी काव्य का अन्तस्संबंध • भारतेन्दु युगीन काव्य एवं प्रवृत्तियाँ • प्रमुख कवि एवं उनका काव्य (समीक्षा एवं व्याख्या)- भारतेन्दु हरिश्चंद्र रोवहु सब मिलि के आवहु भारत भाई ------	18

अध्यक्ष
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
(हिन्दी साहित्य)
उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. भोपाल

Scanned with OKEN Scanner

	---------- सबके ऊपर टिक्कस की आफत आई ! हा ! हा ! भारत दुर्दशा न देखी जाई प्रताप नारायण मिश्र जय जय जगत शिरोमणि भारत गतिविधियाँ – I. आलेख लेखन II. शोध आलेख लेखन	
इकाई-2	**द्विवेदी युगीन काव्य : प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि** • द्विवेदी युगीन काव्य : सामाजिक -सांस्कृतिक पृष्ठभूमि • प्रमुख कवि एवं काव्य (समीक्षा एवं व्याख्या) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध ' • मीठी बोली • एक बूँद रामनरेश त्रिपाठी • वह देश कौन सा है जगन्नाथ दास रत्नाकर 1. लै कै उपदेस – औ -सँदेस – पन ऊधौ चले 2. पंचतत्त्व में जो सच्चिदानंद की सत्ता 3. ऊधौ कहो सूधौ सौ सनेस पहिलै तौ यह 4. कान्ह-दूत कैधों ब्रहम -दूत है पधारे आप 5. चिंता-मनी मंजुल पवारि धूरि -धारनि मैं 6. चुप रहो ऊधौ सूधौ पथ मथुरा कौ गहौ 7. ब्रज-रज-रंजित सरीर सुभ ऊधव कौ मैथिलीशरण गुप्त " सबकी नसों में पूर्वजों का पुण्य रक्त -प्रवाह------ संपत्ति और विपत्ति में विचलित कदापि न वक्ष हो " गतिविधियाँ – I. काव्य पाठ II. काव्य का सस्वर प्रस्तुतीकरण	18
इकाई-3	**छायावादी काव्य : प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि** • छायावादी काव्य : युगीन पृष्ठभूमि • छायावादी काव्य : प्रमुख प्रवृत्तियाँ • प्रमुख कवि एवं काव्य	18

अध्यक्ष
क्षेत्रीय अध्ययन मण्डल
(हिन्दी साहित्य)
उच्च शिक्षा विभाग

Scanned with OKEN Scanner

	<u>जयशंकर प्रसाद</u> प्रकृति के यौवन का शृंगार ----------खिंची आवेगी सकल समृद्धि <u>सुमित्रानंदन पंत</u> ताज ग्राम श्री <u>सूर्यकांत त्रिपाठी निराला</u> वह तोड़ती पत्थर जागो फिर एक बार <u>महादेवी वर्मा</u> मैं नीर भरी दुख की बदली --------- चिर सजग आँखें गतिविधियाँ – I. काव्य-समीक्षा II. काव्य-व्याख्या	
इकाई-4	**छायावादोत्तर हिन्दी काव्य : प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि** • छायावादोत्तर युगीन काव्य की पृष्ठभूमि • प्रमुख काव्य आंदोलन एवं प्रवृत्तियाँ <u>रामधारीसिंह दिनकर</u> " है बहुत बरसी धरित्री पर अमृत की धार ------ ---------- काट लेगा अंग, तीखी है बड़ी यह धार " <u>सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय</u> हम नदी के द्वीप हैं हमारा देश <u>बालकृष्ण शर्मा नवीन</u> अरे तुम हो काल के भी काल हम अनिकेतन <u>नागार्जुन</u> कालिदास सच सच बतलाना सिंदूर तिलकित भाल	18

अध्यक्ष
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
(हिन्दी साहित्य)
उच्च शिक्षा विभाग

Scanned with OKEN Scanner

	गतिविधियाँ – I. काव्य-समीक्षा o भारतीय ज्ञान परंपरा के संदर्भ में o वर्तमान संदर्भ में मोलिक उद्भावनाएँ	
इकाई-5	**साठोत्तर हिन्दी काव्य : प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि** • साठोत्तर हिन्दी काव्य : युगीन पृष्ठभूमि • प्रमुख प्रवृत्तियाँ • प्रमुख कवि <u>गजानन माधव मुक्तिबोध</u> भूल गलती <u>भवानी प्रसाद मिश्र</u> निरापद , स्नेह शपथ <u>नरेश मेहता</u> मृत्तिका <u>कुँवर नारायण</u> श्रेष्ठ का वरण छा गयी उसी क्षण मानो गहरी शांति---- ---------- न सीमित कर पाये गतिविधियाँ – I. पाठ्यक्रम अंतर्गत कविताओं से शब्द चयन संकलन एवं उनके नवीन अर्थ संदर्भ	18

1. **सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: भारतीय ज्ञान , सामाजिक –सांस्कृतिक पृष्टभूमि , अन्तस्संबंध**

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

संदर्भ ग्रन्थ
संपादक,कडेल,अशोक 'भारतीय ज्ञान परंपरा' मध्य प्रदेश हिंदी ग्रुन्थ अकादमी भोपाल
नारायण,कुँवर , आत्मजयी , भारतीय ज्ञानपीठ , नई दिल्ली
सं . पन्त , कैलाशचन्द्र , संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 – 'भारतीय ज्ञान परंपरा' म.प्र. राष्ट्र भाषा प्रचार समिति

अध्यक्ष
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
(हिन्दी साहित्य)
उच्च शिक्षा विभाग,म.प्र. शासन

Scanned with OKEN Scanner

भोपाल .
डेहरिया,प्रोफेसर खेम सिंह ' स्वतंत्रता आन्दोलन और हिंदी साहित्य 'मध्य प्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी भोपाल
मुक्तिबोध,गजानन माधव ,'चाँद का मुँह टेढ़ा है' भारतीय ज्ञानपीठ नई दिल्ली
देवताले , चंद्रकांत , हिन्दी काव्य संकलन , म. प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
रत्नाकर , जगन्नाथदास । उद्धव-शतक , इंडियन प्रेस लिमिटेड प्रयाग
प्रसाद , जयशंकर , कामायनी
स. नगेन्द्र डॉ ,हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर वेक्स नौएड़ा
निराला,त्रिपाठी,सूर्यकांत 'राग-विराग'
चक्रवर्ती, पी.वी डॉ'भारतीय संस्कृति में विज्ञान के तत्त्व' मध्य प्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी भोपाल
गुप्त , मैथिलीशरण , 'भारत भारती ' सेतु प्रकाशन झाँसी
उपाध्याय, राजकुमार डॉ 'हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की समीक्षा' मध्य प्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी भोपाल
शुक्ल , आचार्य रामचंद्र, 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' कमल प्रकाशन नई दिल्ली
मिश्र, विद्यानिवास डॉ ' भारतीय परंपरा' मध्य प्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी भोपाल
नागार्जुन वैजनाथ , 'सतरंगी पंखों वाली' राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
अज्ञेय , सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन, 'दूसरा सप्तक' भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन नई दिल्ली
शर्मा , सतेन्द्र ,महादेवी वर्मा ' आधुनिक काव्य ' म . प्र . हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
पंत , सुमित्रानंदन 'युगवानी ' लोकहित प्रकाशन इलाहाबाद
पंत, सुमित्रानंदन , 'तारापथ ' लोक भारती प्रकाशन , इलाहाबाद
द्विवेदी,आचार्य हजारीप्रसाद ,'हिंदी साहित्य की भूमिका',राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
द्विवेदी,आचार्य हजारीप्रसाद ,'हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास' , राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली

2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

1. www.egyankosh.ac.in
2. https://epgp.inflibnet,ac.in
3. hindiwi.org
4. kavitakosh.org

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियाँ :

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 15 कुल अंक :30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द) अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द) अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	03 x 02= 06 04 x 09 = 36 02 x 14 = 28 कुल अंक 70

कोई टिप्पणी/सुझाव:

डॉ. पुष्पलता
अध्यक्ष
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
(हिन्दी साहित्य)
उच्च शिक्षा विभाग,म.प्र. शासन